# ओबामा भी हार जाते मुझसे : ट्रंप

वाशिंगटन, 27 दिसंबर (भाषा)।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यदि राष्ट्रपति चुनाव में उनके सामने बराक ओबामा भी खड़े होते तो उन्हें भी हार का मुंह देखना पड़ता।

ट्रंप ने एक ट्वीट में कहा, 'राष्ट्रपति ओबामा ने कहा कि उन्हें लगता है कि वह मुझसे जीत जाते। उन्हें यह कहना चाहिए, लेकिन मेरा कहना है कि नहीं बिल्कुल नहीं।' ट्रंप का ट्वीट तब आया जब राष्ट्रपति ओबामा ने सीएनएन के प्रसारण में एक संदेश में कहा कि वह नवंबर में हुए आम चुनाव में ट्रंप को हरा सकते थे।

अमेरिकी नियमों के मुताबिक किसी राष्ट्रपति का कार्यकाल चार-चार साल के लिए दो बार तक के लिए सीमित है। ओबामा पहली बार 2008 में निर्वाचित हुए थे और 2012 में वह दूसरी बार निर्वाचित हुए । अपने पूर्व

सहयोगी डेविड एक्सेलरोड को दिए साक्षात्कार में ओबामा ने कहा कि वह काल्पनिक तीसरे कार्यकाल के लिए ट्रंप को आसानी से हरा सकते थे। ओबामा ने आठ नवंबर को हुए आम चुनाव के वास्ते पूर्व विदेश मंत्री एवं राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन के लिए तूफानी प्रचार किया था। अक्सर उनकी रैलियों में राष्ट्रपति पद के अन्य उम्मीदवारों की रैलियों से ज्यादा भीड़ जुटी।

**ट्रंप ने संरा को 'क्लब' बताया :** डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर निशाना साधते हुए उसे 'ऐसा क्लब बताया जहां लोग मिलने-जुलने, बातचीत करने और अच्छा समय बिताने आते हैं।' ट्रंप ने ट्वीट किया, 'संयुक्त राष्ट्र में अपार संभावनाएं हैं लेकिन फिलहाल यह केवल एक ऐसा क्लब बन कर रह गया है जहां लोग मिलने जुलने, गप हांकने और अच्छा समय बिताने आते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।'

ट्रंप की यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के उस फैसले के बाद आई है जिसमें उन्होंने वेस्ट बैंक और यरुशलम के कुछ हिस्सों में इजराइल की अवैध बस्तियों पर संरा सुरक्षा परिषद के निंदा प्रस्ताव पर मतविभाजन में शामिल नहीं होने का निश्चय किया है। मतविभाजन में शामिल नहीं होना नीति में उस ऐतिहासिक परिवर्तन का संकेत देता है जिसमें प्रस्ताव पास होने को मंजूरी मिल जाती है।

# मोदी का चुनावी नारा सुनाई दिया ट्रंप की सभा में

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चुनावी नारा अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की सभा में सुनाई दिया तो बराक ओबामा की भाषण के दौरान आंखें छलक गईं, उबर के सीईओ बिना उपयुक्त वीजा के भारत आ गए और जॉन केरी को भारत में यातायात जाम की समस्या का अनुभव हुआ। तमाम अच्छी-बुरी घटनाओं के बीच 2016 में बड़े लोगों के साथ हुई इन घटनाओं ने अपने ब्योरे पढ़ने के लिए पाठकों को रोक ही लिया। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का असर छाया रहा। भारतीय अमेरिकियों को लुभाने की कोशिश में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने मोदी का 2014 के लोकसभा चुनाव का 'विनिंग स्लोगन' उठाया और टीवी पर एक विज्ञापन में वह 'अब की बार, ट्रंप सरकार' कहते नजर आए। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का इस साल सितंबर में संस्कृत में अनुवाद किया गया। संयुक्त राष्ट्र की सभी छह आधिकारिक भाषाओं में उपलब्ध यह चार्टर विश्व निकाय की बुनियादी संधि है। अगस्त के आखिर में मूसलाधार बारिश के कारण दिल्ली में कई स्थानों पर जलजमाव हुआ और यातायात ठप हो गया जिसमें भारत के दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन केरी और उनका काफिला भी फंस गया।

## जम्मे को सत्ता से हटने को कहा गांबिया के नए राष्ट्रपति ने

बांजुल, 27 दिसंबर (एएफपी)।

गांबिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति अदामा बर्रो ने राष्ट्रपति यह्या जम्मे से सत्ता से हटने को कहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि औपनिवेशक शासन करने वाले ब्रिटेन ने भी शांतिपूर्ण ढंग से सत्त हस्तांतरण कर दिया था।

कल अपने क्रिसमस संदेश में बर्रो ने कहा कि गांबियावासियों को 'नए साल में प्रवेश की उम्मीद के साथ' हिंसा के डर से मुक्त होना चाहिए । उन्होंने यह बात तब कही जब जम्मे ने कहा कि वह तब तक सत्ता में बने रह सकते हैं जब तक कि सुप्रीम कोर्ट उनसे हटने को नहीं कहता। बर्रो ने अपने नए प्रशासन के लिए आधार रखने के वास्ते विशेषज्ञों का समूह बनाने की भी घोषणा की। सत्ता पर काबिज जम्मे ने पर्यवेक्षकों को तब आश्चर्यचकित कर दिया जब शुरू में उन्होंने एक दिसंबर को हुए मतदान में विपक्षी उम्मीदवार बर्रो से अपनी हार स्वीकार कर ली, लेकिन बाद उन्होंने चुनाव परिणाम को खारिज कर दिया और इसे अदालत में चुनौती दे दी। बर्रो ने एक बयान में कहा, 'मैं शांति चाहने वाले सभी गांबियावासियों का आह्वान करता हूं...वे आजादी के बाद से हमारे इतिहास में कार्यकारी शक्ति के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के लिए काम करें।' जम्मे के रुख से छोटे से पश्चिमी अफ्रीकी देश के भविष्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता पैदा हो गई है और अफ्रीकी नेताओं के साथ संयुक्त राष्ट्र ने भी जाम्मे से सत्ता से हटने को कहा है। बर्रो ने कहा कि यदि उपनिवेशवादी शांतिपूर्ण ढंग से कार्यकारी शक्ति सौंप सकते हैं....तो (हमें) भी अपने बच्चों के वास्ते एक बेहतर उदाहरण पेश करने के लिए इसमें सक्षम होना चाहिए।'

# जल विवाद को लेकर पाक के संपर्क में है विश्व बैंक

इस्लामाबाद, 27 दिसंबर (भाषा)।

विश्व बैंक के अध्यक्ष जिम योंग किम ने पाकिस्तान के वित्त मंत्री सीनेटर इसहाक डार के साथ फोन पर बातचीत के दौरान भारत-पाक जल विवाद पर चर्चा की। इससे कुछ ही दिन पहले पाकिस्तान ने विश्व बैंक से इस मुद्दे पर 'उसकी जिम्मेदारियां निभाने' के लिए कहा था। डॉन अखबार ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से कहा कि फोन पर बातचीत कल की गई।

डार ने दो पनबिजली संयंत्रों-किशनगंगा और रटले को लेकर चल रहे विवाद के संदर्भ में 23 दिसंबर को किम को एक पत्र लिखा था। भारत इन दो संयंत्रों का निर्माण सिंधु नदी प्रणाली पर कर रहा है। डार ने अपने पत्र में लिखा कि मध्यस्थता में देरी से सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के हितों और अधिकारों पर गंभीर असर पड़ेगा।

पत्र में कहा गया कि पाकिस्तान मध्यस्थता अदालत का अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए पूर्व में किए गए अपने अनुरोध को वापस नहीं ले रहा। चूंकि इस प्रक्रिया में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है, इसलिए इस्लामाबाद चाहता है कि विश्व बैंक जल्दी से जल्दी अध्यक्ष की नियुक्ति करे। पाकिस्तान का मानना है कि चूंकि भारत दोनों विवादित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है, ऐसे में अगर और अधिक देरी की जाती है तो पाकिस्तान के हितों को नुकसान पहुंचेगा और इन्हें पलटना संभव नहीं होगा। वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु नदी जल संधि के तहत सिंधु नदी घाटी की नदियों को दोनों देशों के बीच बांटा गया। भारत को तीन पूर्वी नदियों- व्यास, रावी और सतलुज पर नियंत्रण मिला जबकि पाकिस्तान को तीन पश्चिमी नदियां सिंधु, चेनाब और झेलम मिलीं। यह संधि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी जल विवाद पैदा होने पर विश्व बैंक को मध्यस्थता का अधिकार देती है।

- जल विवाद पर तनाव नवंबर में उस समय बढ़ गया था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने की बात कही थी। पाकिस्तान ने विश्व बैंक को औपचारिक अनुरोध में कहा कि यदि कोई पक्ष कहता है कि विवाद बातचीत से या मध्यस्थता से नहीं सुलझने वाला तो मध्यस्थता अदालत का गठन किसी भी पक्ष के अनुरोध पर किया जा सकता है।

पिछले सप्ताह किम ने भारत और पाकिस्तान के वित्त मंत्रियों को पत्र भेज कर उन्हें जानकारी दी थी कि उन्होंने (किम ने) बैंक की मध्यस्थता 'रोकने' का फैसला किया है। उन्होंने दोनों पड़ोसियों से अपील की कि वे जनवरी के अंत तक तय करें कि वे इस विवाद को कैसे सुलझाना चाहते हैं।

जल विवाद पर तनाव नवंबर में उस समय बढ़ गया था जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी को रोकने की बात कही थी।

# भारत चाहता है बच्चे को उसके वास्तविक माता-पिता के हवाले किया जाए

## भारतीय-नार्वेजियन परिवार के बच्चे को लेकर उठा विवाद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 27 दिसंबर।

भारतीय-नार्वेजियन परिवार के एक बच्चे के संरक्षण को लेकर अपने राजदूत के नार्वे के अधिकारियों से मिलने से पहले भारत ने मंगलवार को यह स्पष्ट किया कि वह चाहता है कि साढ़े पांच साल का बच्चा उसके वास्तविक माता-पिता को दिया जाए। मामले में कड़ा रुख अख्तियार करते हुए विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने कहा कि वे इस बात को नहीं मान सकतीं कि बच्चे की देखभाल वास्तविक माता-पिता की तुलना में संरक्षण करने वाले माता-पिता बेहतर ढंग से कर सकते हैं।

सिलसिलेवार ट्वीट में सुषमा ने कहा कि आर्यन के मामले में मैं इस बात को नहीं मान सकती कि बच्चे की देखभाल वास्तवकि माता-पिता की तुलना में संरक्षण करने वाले माता-पिता बेहतर ढंग से कर सकते हैं। संरक्षण करने वाले माता-पिता भारतीय संस्कृति और हमारी खानपान आदतों के बारे में पूरी तरह अनजान हैं। हम चाहते हैं कि बच्चा फिर से उसके वास्तविक माता-पिता को मिले। भारतीय नागरिक गुरविंदरजीत कौर और उनके नार्वेजियन पति ने आरोप लगाया है कि नार्वे के अधिकारी बच्चे की उचित देखभाल न करने की फर्जी शिकायत पर उनके बच्चे को ले गए हैं।

दंपति का बच्चा भी नार्वे का नागरिक है। कौर ने मंत्रालय को भी पत्र लिखा था और अपने बच्चे की वापसी के लिए मदद मांगी थी । इस बच्चे को नार्वे बाल विकास सेवा के अधिकारी अपने साथ ले गए हैं। 2011 के बाद से यह तीसरा मामला है जब भारतीय मूल के माता-पिता से नार्वे के अधिकारी उचित देखभाल नहीं किए जाने के आरोप में बच्चों को अपने साथ ले गए हैं। 2011 में तीन साल के एक बच्चे और एक साल के एक बच्चे को उनके माता-पिता से अलग कर दिया गया था। तब तत्कालीन सरकार ने मुद्दे को नार्वे के समक्ष उठाया था। नार्वे की अदालत ने बाद में बच्चों को फिर उनके माता-पिता को सौंपे जाने की अनुमति दे दी थी।

# केरल के पादरी की रिहाई के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा भारत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 27 दिसंबर।

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने मंगलवार को कहा कि यमन में आतंकियों के कब्जे में मौजूद केरल के फादर टॉम उझुन्नालिल की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए भारत कोई कसर नहीं छोड़ेगा। करीब नौ महीने पहले युद्धग्रस्त यमन में आतंकी समूहों ने फादर टॉम का अपहरण कर लिया था।

मंत्री का यह बयान पादरी के कथित वीडियो के सामने आने के एक दिन बाद आया है। वीडियो में पादरी कथित रूप से सरकार से उन्हें मुक्त कराने की अपील करते नजर आ रहे हैं। सुषमा ने ट्वीट किया- हमने तमाम कोशिशें की हैं और उनकी कैद से फादर टॉम की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। फादर टॉम को वापस लाने के लिए सरकार का संकल्प जताते हुए विदेश मंत्री ने अगवा किए गए नागरिकों - जुडिथ डिसूजा और फादर अलेक्सिस प्रेम कुमार की अफगानिस्तान से रिहाई सुनिश्चित करने में भारत की भूमिका के उदाहरण का उल्लेख किया।

मार्च में खूंखार आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट ने फादर टॉम को बंदरगाह शहर अदन से अगवा कर लिया था। आतंकवादी समूह ने मदर टेरेसाज मिशनरीज ऑफ चैरिटी की ओर से संचालित एक देखभाल केंद्र पर हमला किया था। इसके बाद से फादर टॉम लापता थे।

वीडियो में टॉम भारत सरकार और पोप फ्रांसिस सहित साथी ईसाइयों से मदद की गुहार करते नजर आ रहे हैं। बहरहाल, वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी। वीडियो क्लिप में फादर टॉम यह कहते नजर आ रहे हैं कि अगर मैं एक यूरोपीय पादरी होता तो मुझे अधिक गंभीरता से लिया जाता। मैं भारत से हूं। शायद इसलिए मुझे अधिक गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

## चंद्रमा की दूसरी ओर यान उतारने वाला पहला देश होगा चीन

बेजिंग, 27 दिसंबर (भाषा)।

चीन ने आज अपने महत्वकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और कहा है कि 2018 में चंद्रमा की दूसरी ओर की थाह लेने के लिए वह यान भेजेगा और वहां यान को सुगमता से उतारने वाला वह दुनिया का पहला देश बन जाएगा। 'चीन स्पेस एक्टिविटीज इन 2016' शीर्षक से जारी किए गए श्वेत पत्र में कहा गया है कि अगले पांच बरसों में चीन अपनी चंद्र अन्वेषण परियोजना को जारी रखेगा।

इससे पहले चीन चंद्रमा पर रोवर उतार चुका है लेकिन अब चंद्रमा की दूसरी ओर की थाह लेना चाहता है जहां अभी तक कोई भी अन्य देश नहीं पहुंच सका है। श्वेत पत्र के मुताबिक इस अन्वेषण योजना में तीन रणनीतिक कदम उठाने हैं, वह हैं 'कक्षा में स्थापित करना, सतह पर उतारना और लौटना।' चेंज-5 चंद्र अन्वेषण वर्ष 2017 के अंत तक शुरू होगी।

वाप्कोस लिमिटेड, आईएसओ 9001/2008, भारत सरकार का उपक्रम में निम्नलिखित पदों हेतु तंजानिया में संविदा आधार पर कार्मिकों की आवश्यकता है:

1. रेजिडेंट अभियंता
2. संरचनात्मक अभियंता
3. साईट अभियंता
4. सर्वेक्षक
5. तकनीशियन साईट
6. आटो कैड विशेषज्ञ
7. जीआईएस विशेषज्ञ

संपूर्ण विवरण हेतु कैरियर के अंतर्गत हमारी वेबसाईट www.wapcos.co.in देखें।

U.P. STATE INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
A-1/4, Lakhanpur, Kanpur-208024

EXPRESSION OF INTEREST

UPSIDC invites offers from leading and reputed consultants to conduct detailed study and preparation of "Techno Economic Feasibility Report" & "Marketing Plan & Procedure" for setting up of "Golf Course" & "Recreation Club" in 100 acres at it's prestigious project Trans Ganga City, Unnao, adjacent of Ganga Barrage, Kanpur.
Interested consultants having minimum turnover of Rs. 10.00 crores during the last three financial years, may submit their expression of interest to Managing Director, UPSIDC Ltd., A-1/4, Lakhanpur, Kanpur-208024 latest by 20.01.2017 mentioning their previous experience (preferably in the marketing of similar project) & details of consultancy fee charged for each such project, their turnover during the last 03 financial years, details of technical manpower & approximate project cost etc.

MANAGING DIRECTOR

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. NOT FOR PUBLICATION AND DISTRIBUTION OUTSIDE INDIA.

PUBLIC ANNOUNCEMENT

CENTRAL DEPOSITORY SERVICES (INDIA) LIMITED

Our Company was incorporated at Mumbai on December 12, 1997 as 'Central Depository Services (India) Limited', a public limited company under the Companies Act, 1956. Our Company obtained its certificate of commencement of business from the Ministry of Corporate Affairs on December 19, 1997. Our Company was initially registered by way of a certificate of registration on August 19, 1998 by SEBI under the Depositories Regulations and subsequently obtained its certificate of commencement of business as a depository under the Depositories Regulations on February 8, 1999.
Registered and Corporate Office: 17th Floor, Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Mumbai 400 001, Maharashtra, India
For details of changes to the address of our registered office, please see "History and Certain Corporate Matters" on page 138 of the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP").
Telephone: +91 (22) 2272 3333; Facsimile: +91 (22) 2272 2072; Company Secretary & Compliance Officer: Nirogi Venkata Sesha Pavan Kumar
Email: cdsl.ipo@cdslindia.com; Website: www.cdslindia.com Corporate Identity Number: U67120MH1997PLC112443

PROMOTER OF OUR COMPANY : BSE LIMITED

INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 35,167,208 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF CENTRAL DEPOSITORY SERVICES (INDIA) LIMITED ("COMPANY" OR "ISSUER" OR "CDSL") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ [•] PER EQUITY SHARE, AGGREGATING UP TO ₹ [•] MILLION BY WAY OF AN OFFER FOR SALE BY THE SELLING SHAREHOLDERS ("OFFER"). THE OFFER COMPRISES A NET OFFER TO THE PUBLIC OF 34,467,208 EQUITY SHARES ("NET OFFER") AND A RESERVATION OF 700,000 EQUITY SHARES AGGREGATING UP TO ₹ [•] MILLION FOR SUBSCRIPTION BY ELIGIBLE EMPLOYEES (AS DEFINED HEREIN) ("EMPLOYEE RESERVATION PORTION"). THE OFFER SHALL CONSTITUTE UP TO 33.65% OF THE FULLY DILUTED POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY AND THE NET OFFER TO THE PUBLIC WOULD CONSTITUTE 32.98% OF OUR POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL.
THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10 EACH. THE PRICE BAND WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY AND THE SELLING SHAREHOLDERS IN CONSULTATION WITH THE MANAGERS AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY AND THE SELLING SHAREHOLDERS IN CONSULTATION WITH THE MANAGERS, AND ADVERTISED IN [•] EDITIONS OF [•], [•] EDITIONS OF [•] AND [•] EDITIONS OF [•] (WHICH ARE WIDELY CIRCULATED ENGLISH, HINDI AND MARATHI NEWSPAPERS, RESPECTIVELY, MARATHI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF MAHARASHTRA, WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST FIVE WORKING DAYS PRIOR TO THE OFFER OPENING DATE IN ACCORDANCE WITH THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2009, AS AMENDED ("ICDR REGULATIONS") AND SUCH ADVERTISEMENT SHALL BE MADE AVAILABLE TO NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE") FOR THE PURPOSE OF UPLOADING ON ITS WEBSITE.
In case of a revision in the Price Band, the Offer Period will be extended by at least three additional Working Days after revision of the Price Band, subject to the Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band and the revised Offer Period, if applicable, will be widely disseminated by notification to NSE, by issuing a press release and also by indicating the change on the websites of the Managers and at the terminals of the Syndicate Members.
The Offer is being made in compliance with the requirements of Regulation 58D of the Securities and Exchange Board of India (Depositories and Participants) Regulations, 1996, as amended ("Depositories Regulations"). Furthermore, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts Regulations Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 41 of the ICDR Regulations, and in compliance with Regulation 26(1) of the ICDR Regulations, not more than 50% of the Net Offer shall be available for allocation to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") on a proportionate basis. Provided that our Company in consultation with the Managers, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors at the Anchor Investor Allocation Price, on a discretionary basis, in accordance with the ICDR Regulations, of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription in the Anchor Investor Portion, the remaining Equity Shares shall be added to the QIB Portion (other than Anchor Investor Portion). 5% of the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. Further, not less than 15% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors and not less than 35% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Retail Individual Investors, in accordance with the ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. All Bidders, other than Anchor Investors, are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective bank accounts which will be blocked by the Self Certified Syndicate Banks ("SCSBs"), to participate in this Offer. Anchor Investors are not permitted to participate in the Anchor Investor Portion through the ASBA process. For details, please see "Offer Procedure" on page 252 of the DRHP.
This public announcement is being made in compliance with the provisions of Regulation 9(3) of the ICDR Regulations to inform the public that the Company is proposing, subject to statutory and regulatory requirements, requisite approvals, market conditions and other considerations, a public issue of Equity Shares and has filed the DRHP with Securities and Exchange Board of India ("SEBI") on December 27, 2016.
Pursuant to Regulation 9(1) of the ICDR Regulations, the DRHP filed with Securities and Exchange Board of India ("SEBI") shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 days from the date of filing, by hosting it on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com and the websites of the Global Coordinators and Book Running Lead Managers to the offer ("GCBRLMs"), i.e. www.axiscapital.co.in, www.edelweissfin.com, www.nomuraholdings.com/company/group/asia/india/index.html and www.sbicaps.com and the websites of the Book Running Lead Managers to the offer ("BRLMs"), i.e. www.htisec.com, www.idbicapital.com and www.yesinvest.in respectively. We invite the members of the public to give comments on the DRHP filed with SEBI. The public is requested to send a copy of the comments sent to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of the Company and the GC-BRLMs and the BRLMs at their respective addresses mentioned below. Further, all comments must be received by the Company or the GC - BRLMs and the BRLMs on or before 5 pm on the 21st day from the date of filing of the DRHP.
Investment in equity and equity-related securities involve a degree of risk and Bidders should not invest any funds in the Offer unless they can afford to take the risk of losing entire investment. Bidders are advised to read the "Risk Factors" carefully before taking an investment decision in the Offer. For taking an investment decision, Bidders must rely on their own examination of our Company and the Offer, including the risks involved. The Equity Shares offered in the Offer have not been recommended or approved by the SEBI, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the DRHP. Specific attention of the Bidders is invited to the section "Risk Factors" on page 18 of the DRHP.
Any decision to invest in the Equity Shares described in the DRHP may only be taken after the Red Herring Prospectus for the same has been filed with the RoC, Maharashtra at Mumbai and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus.
The Equity Shares, when offered through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on the NSE.
For the details of the main objects of the Company as contained in the Memorandum of Association, see "History and Certain Corporate Matters" on page 138 of the DRHP. The liability of the members of the Company is limited. For details of the share capital and capital structure of the Company, see "Capital Structure" beginning on page 74 of the DRHP.

GLOBAL CO-ORDINATORS AND BOOK RUNNING LEAD MANAGERS

AXIS CAPITAL
Axis Capital Limited
1st Floor, Axis House, C 2 Wadia International Centre, P. B. Marg, Worli, Mumbai 400 025, India
Telephone: +91 (22) 4325 2183
Facsimile: +91 (22) 4325 3000
Email: cdslipo@axiscap.in
Investor grievance id: complaints@axiscap.in
Website: www.axiscapital.co.in
Contact person: Ms. Simran Gadh
SEBI registration number: INM000012029

Edelweiss — Ideas create, values protect
Edelweiss Financial Services Limited
14th Floor, Edelweiss House, Off. C.S.T Road, Kalina, Mumbai 400 098, India
Telephone: + 91 (22) 4009 4400
Facsimile : +91 (22) 4086 3610
Email: cdsl.ipo@edelweissfin.com
Investor grievance Email: customerservice.mb@edelweissfin.com
Website: www.edelweissfin.com
Contact person : Mr. Viral Shah
SEBI registration number: INM0000010650

NOMURA
Nomura Financial Advisory and Securities (India) Private Limited
Ceejay House, Level 11, Plot F, Shivsagar Estate, Worli, Mumbai 400 018, India
Telephone: +91 (22) 4037 4037
Facsimile: +91 (22) 4037 4111
Email: cdslipo@nomura.com
Investor grievance id: investorgrievances-in@nomura.com
Website: www.nomuraholdings.com/company/group/asia/india/index.html
Contact person: Mr. Chirag Shah
SEBI registration number: INM000011419

SBI Capital Markets Limited*
202, Maker Tower 'E', Cuffe Parade Mumbai 400 005, India
Telephone: + 91 (22) 2217 8300
Facsimile: + 91 (22) 2218 8332
Email: cdsl@sbicaps.com
Investor grievance id: investor.relations@sbicaps.com
Website: www.sbicaps.com
Contact person: Mr Ronak Shah
SEBI registration number: INM000003531

BOOK RUNNING LEAD MANAGERS

海通國際 HAITONG
Haitong Securities India Private Limited
1203A, Floor 12A, Tower 2A, One Indiabulls Centre, 841, Senapati Bapat Marg, Elphinstone Road, Mumbai 400013
Telephone: + 91 (22) 4315 6856
Facsimile : +91 (22) 2421 6327
Email: project.cdslipo@htisec.com
Investor grievance Email: India.Compliance@htisec.com
Website: www.htisec.com
Contact person : Mr. Ritesh Khetan
SEBI registration number: INM000012045

IDBI capital
IDBI Capital Markets & Securities Limited (Formerly known as IDBI Capital Market Services Limited)
3rd Floor, Mafatlal Centre, Nariman Point, Mumbai 400 021, India
Telephone: +91 (22) 4322 1212
Facsimile: +91 (22) 2285 0785
Email: cdsl@idbicapital.com
Investor grievance id: redressal@idbicapital.com
Website: www.idbicapital.com
Contact Person: Ms. Astha Daga / Mr. Subodh Gandhi
SEBI registration number: INM000010866

YES SECURITIES
Yes Securities (India) Limited
IFC, Tower 1 & 2, Unit no. 602 A, 6th Floor Senapati Bapat Marg, Elphinstone Road Mumbai 400 013, India
Telephone: +91 (22) 3347 7364
Facsimile: +91 (22) 2421 4508
Email: cdsl.ipo@yessecuritiesltd.in
Investor grievance id: igc@yessecuritiesltd.in
Website: www.yesinvest.in
Contact person: Mr. Aditya Vora
SEBI registration number: INM000012227

REGISTRAR TO THE OFFER

LINK Intime
Link Intime India Private Limited
C-13, Pannalal Silk Mills Compound, L.B.S. Marg, Bhandup (West) Mumbai 400 078, India
Telephone: +91 (22) 6171 5400
Facsimile: +91 (22) 2596 0329
Email: cdsl.ipo@linkintime.co.in
Investor grievance id: cdsl.ipo@linkintime.co.in
Website: www.linkintime.co.in
Contact person: Ms. Shanti Gopalkrishnan
SEBI registration number: INR000004058

*SBICAP is an associate of State Bank of India (one of the Selling Shareholders). As a result, in compliance with the Merchant Bankers Regulations and the ICDR Regulations, SBICAP, as a GCBRLM, will only be involved in the marketing of the Offer. SBICAP has signed the due diligence certificate dated December 24, 2016 and has, accordingly, been disclosed as a GCBRLM.
All capitalised terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the DRHP.

For CENTRAL DEPOSITORY SERVICES (INDIA) LIMITED
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mumbai
Date: December 27, 2016

CENTRAL DEPOSITORY SERVICES (INDIA) LIMITED is proposing, subject to receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP with SEBI. The DRHP will be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com and the websites of the GCBRLMs, i.e. www.axiscapital.co.in, www.edelweissfin.com, www.nomuraholdings.com/company/group/asia/india/index.html and www.sbicaps.com and the websites of the BRLMs, i.e. www.htisec.com, www.idbicapital.com and www.yesinvest.in respectively. Investors should note that investment in equity shares involves a degree of risk and for details relating to the same, please refer to the DRHP, including the section "Risk Factors" on page 18 of the DRHP. Potential investors should not rely on the DRHP filed with SEBI for making any investment decision.
The Equity Shares offered in the Offer have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933 as amended ("U.S. Securities Act") and may not be sold directly or indirectly, within the United States or to, or for the account or benefit of US persons. The Company has not registered and does not intend to register under the US Investment Company Act and investors will not be entitled to the benefits of the US Investment Company Act. Accordingly, the Equity Shares are only being offered and sold outside the United States to non-US persons in "offshore transactions" in reliance on Regulation S under the U.S. Securities Act.

Adfactors 389